RAJYA SABHA

Wednesday, the 20th December, 2023 /29 Agrahayana, 1945 (Saka)

The House met at eleven of the clock,
MR. CHAIRMAN *in the Chair*.

APPEAL TO MAINTAIN PEACE AND ORDER IN THE HOUSE

MR. CHAIRMAN: Mr. Elamaram Kareem, please go to your seat. ..*(Interruptions)*.. Mr. Elamaram Kareem, go to your seat. ..*(Interruptions)*.. The House is adjourned to meet at 11.15 a.m.

The House then adjourned at one minutes past eleven of the clock.

The House reassembled at fifteen minutes past eleven of the clock,
MR. CHAIRMAN *in the Chair*.

MR. CHAIRMAN: The House stands adjourned to meet at 11.30 a.m.

The House then adjourned at sixteen minutes past eleven of the clock.

The House reassembled at thirty minutes past eleven of the clock,
MR. CHAIRMAN *in the Chair*.

MR. CHAIRMAN: Mr. Tiruchi Siva, if you are so careful about baseless allegations, go to your conscience, search your soul and then reflect. ...(*Interruptions*)... I urge the Leader of the Opposition. ...(*Interruptions*)... I request you, as the Leader of the Opposition, as the President of the Congress Party, to prevail upon the Opposition Members not to engage into this kind of indecorous conduct. ...(*Interruptions*)... The House is adjourned to meet at 11.45 a.m. with the expectation that the Leader of the Opposition will rise up to his position both as LoP and President of the Congress Party, and bring about order in the House. ...(*Interruptions*)... The House is adjourned to meet at 11.45 a.m.

The House then adjourned at thirty-one minutes past eleven of the clock.

The House reassembled at forty five minutes past eleven of the clock,
MR. CHAIRMAN *in the Chair*.

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record, Digvijaya Singh*ji*. ...*(Interruptions)*... आप अनुभवी नेता हैं ...(**व्यवधान**)... क्या आप मेरी बात भी नहीं सुनना चाहते हैं? क्या आप मेरी बात और मेरी पीड़ा नहीं सुनना चाहते हैं? आप कहते हैं कि आपकी पार्टी 138 साल पुरानी है। ...(**व्यवधान**)... क्या हुआ है? ...(**व्यवधान**)... आपको सब पता है, आपकी चुप्पी मेरे कानों में गूंज रही है, खरगे जी की चुप्पी मेरे कानों में गूंज रही है। वे Leader of the Opposition हैं, कांग्रेस के अध्यक्ष हैं। ...(**व्यवधान**)... सबको पता है कि क्या हो रहा है। आपको अंदाज़ा होना चाहिए कि यदि कोई व्यक्ति वीडियोग्राफी कर के आनन्द लेता है, amplify करता है ...(**व्यवधान**)... क्या ये संस्कार हैं? ...(**व्यवधान**)... क्या ये संस्कार हैं? ...(**व्यवधान**)... क्या यहां तक स्तर आ गया? ...(**व्यवधान**)... दिग्विजय सिंह जी, आप मेरी बात सुन लीजिए, जगदीप धनखड़ की कितनी ही बेइज्ज़ती कर लो, मुझे कोई चिंता नहीं है, लेकिन अगर भारत के उपराष्ट्रपति की, किसान समाज की, मेरे वर्ग की बेइज्ज़ती हुई तो मैं हवन में पूरी आहुति दे दूंगा ...(**व्यवधान**)... मैं खुद की परवाह नहीं करता। यदि कोई मेरी बेइज्ज़ती करता है, तो मैं सहन कर लेता हूं, खून के घूँट पी लेता हूं, पर मैं यह कभी बरदाश्त नहीं करूंगा कि मैं अपने पद की गरिमा को सुरक्षित नहीं कर पाया, इस सदन की गरिमा को सुरक्षित रखना मेरा काम है, इस पद की गरिमा रखना मेरा काम है। आप अंदाज़ा नहीं लगा सकते कि क्या हुआ है, ...(**व्यवधान**)... क्या आप अंदाज़ा नहीं लगा सकते? ...(**व्यवधान**)... मैं आपकी बात सुनता, आप मुझे फोन करके कहते, हमारे बीच दशकों तक फोन पर वार्तालाप होता रहा है ...(**व्यवधान**)... आज इतनी बड़ी घटना हो गई, पद की गरिमा गिर गई, किसान समाज को बेइज्ज़त कर दिया गया, मेरी जाति को अपमानित कर दिया गया और आप चुप हैं, आपके अध्यक्ष चुप हैं! ...(**व्यवधान**)... The house is adjourned to meet at 12.00 noon today.

The House then adjourned at forty-six minutes past eleven of the clock.

The House reassembled at twelve of the clock,
MR. CHAIRMAN *in the Chair.*

SHRI DIGVIJAYA SINGH (Madhya Pradesh): Sir, will you give me two minutes? ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Now, Question Hour. ...*(Interruptions)*... Yes, hon. Minister. ...*(Interruptions)*... Nothing will go on record except the hon. Minister. ...*(Interruptions)*...

संसदीय कार्य मंत्री; **कोयला मंत्री**; **तथा खान मंत्री** (**श्री प्रहलाद जोशी**) : सभापति महोदय, कल हमने देखा कि कैसे Member of other house ने आपके संवैधानिक पद को अपमानित किया है। दूसरे सदन के सदस्य श्री राहुल गांधी जी ने पूरे संवैधानिक पद का और आपका अपमान किया है। हम इसकी घोर निंदा करते हैं।...(**व्यवधान**)... कल भी हमने इसकी निंदा की थी। किसी वर्ग और समाज को ऐसे कलंकित करना बिल्कुल ठीक नहीं है। मैं बीस वर्ष से इस पार्लियामेंट में हूं और जहां तक मैंने देखा है, सुना है और पढ़ा है, ये पहली बार इस लेवल तक जा रहे हैं कि जिसकी कोई हद नहीं है। मैं इसकी घोर निंदा करता हूं। ये बार-बार संविधान के पद पर बैठे लोगों को अपमानित कर रहे हैं।...(**व्यवधान**)... पहले 20 वर्ष तक प्रधान मंत्री जी को अपमानित किया, क्योंकि वे गरीब फैमिली से आते हैं, ओबीसी वर्ग के हैं, इसलिए ये उन्हें अपमानित करते रहे। उनको प्रधान मंत्री बनने के बाद भी अपमानित किया। उसके बाद राष्ट्रपति जी को भी अपमानित किया, क्योंकि वे ट्राइबल वुमेन हैं।...(**व्यवधान**)... आप किसान पुत्र हैं। पहली बार एक जाट समाज के किसान पुत्र उपराष्ट्रपति पद तक पहुंच गए हैं, तो उपराष्ट्रपति को, उपराष्ट्रपति पद को और संवैधानिक पद को अपमानित कर रहे हैं।...(**व्यवधान**)... मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि**:**

'उपराष्ट्रपति का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान
और संविधान का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान।'

इसलिए हमारे सब सदस्यों की इच्छा है कि ये लोग प्रधान मंत्री पद को, उपराष्ट्रपति को अपमानित करते हैं इसलिए हम ...(**व्यवधान**)... कल आपको अपमानित किया है, आपके पद को अपमानित किया है, संविधान को अपमानित किया है, उसके लिए हम, इस सदन में आप जो प्रश्न काल चला रहे हैं, उसमें आपके सम्मान में और इनके protest में खड़े होकर प्रश्नोत्तर में भाग लेंगे। इसके साथ ही साथ माननीय राष्ट्रपति जी ने भी इस घटना का खंडन किया है। ...(**व्यवधान**)... राष्ट्रपति जी ने कहा है- I quote, Sir. "I was dismayed to see the manner in which our respected Vice President was humiliated in the Parliament complex. Elected representatives must be free to express themselves, but their expression should be within the norms of dignity and courtesy. That has been the Parliamentary tradition we are proud of, and the People of India expect them to uphold it." सर, इसके साथ ही लोक सभा स्पीकर श्री ओम बिरला जी ने भी खंडन किया है। माननीय स्पीकर साहब ने कहा है कि "संसदीय परिसर में माननीय सांसदों द्वारा उपराष्ट्रपति के संवैधानिक पद को अपमानित करने और अपमानित करने वाले गंभीर दुर्व्यवहार के बारे में माननीय उपराष्ट्रपति और राज्य सभा के सभापति को अपनी गहरी चिंताओं और पीड़ा से अवगत कराया।" ...(**व्यवधान**)... यह अचंभित करने वाली बात है कि संसद में इस निंदनीय कृत्य को वीडियोग्राफी के जरिए प्रचारित करने का फैसला किया। यह गिरावट का एक नया स्तर है।...(**व्यवधान**)... लोकतंत्र में विश्वास करने वाला कोई भी व्यक्ति कभी भी इसकी सराहना नहीं करेगा। लोक सभा स्पीकर और विभिन्न सेक्टर्स में काम करने वाले देश के बड़े-बड़े लोगों ने भी इसका खंडन किया है। सर, हम भी इसकी घोर निंदा करते हैं। We strongly condemn this. यह जो व्यवहार इन लोगों ने किया है, इनकी पार्टी के पूर्व अध्यक्ष ने किया है, उसके प्रोटेस्ट में और आपके सम्मान में, संविधान के सम्मान में, हम आपकी

अनुमति लेकर पूरे एक घंटे खड़े होकर, मौन धारण करके इस क्वेश्चन ऑवर में participate करेंगे। इसकी अनुमति देने के लिए मैं आपसे प्रार्थना करता हूं। ..(**व्यवधान**)..

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

MR. CHAIRMAN: Now, Question Hour; Question No. 181, Shri Bhubaneswar Kalita. ...*(Interruptions)*...

Transformation through New Educational Policy

*181. SHRI BHUBANESWAR KALITA: Will the Minister of EDUCATION be pleased to state:

(a) the plan of Government to bring New Educational Policy (NEP) to the people;
(b) how Government is planning to transform India into a Vibrant Knowledge Society and Global Knowledge Super Power through NEP; and
(c) whether any study was done on the impact of NEP in the North Eastern Region, if so, the details thereof and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF EDUCATION (SHRI DHARMENDRA PRADHAN): (a) to (c) A statement is laid on the table of the House.

Statement

(a) and (b) The National Education Policy 2020 (NEP 2020) has been announced on 29.07.2020 after detailed consultation process with all stakeholders including Gram Panchayats, Blocks, Urban Local Bodies, Districts and States/Union Territories Governments, Hon'ble Members of Parliament, public etc. NEP 2020 envisions an education system rooted in Indian ethos that contributes directly to transforming India, that is Bharat, sustainably into an equitable and vibrant knowledge society, by providing high-quality education to all, and thereby making India a global knowledge superpower. In order to achieve this objective, several initiatives have been taken by Central Government, State and UT Governments.

In School Education, a number of initiatives have been taken such as PM SHRI (PM Schools for Rising India) for upgradation of schools. A total of 6448 schools were selected and Rs. 630.11 crore has been released to 6207 PM SHRI schools in 27